

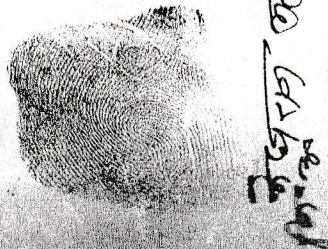


दस्तावेजों से मिलान  
कि बोनर सही पाया।

28/1/05

सपथ पत्र संख्या 92 दि. 28/1/05  
नाम - मोकीर  
श्रीमदराज गहनी पिता स्व. सुष्मा गहनी  
जाति - ज्वाला चेहा - गृहस्थी, स्त्रा. भौजा -  
नगवाँ, कार्ड नं. - 99, प्र. अहुरी, थाना -  
पोह चौ जिला - चतरा।

1000  
30  
250  
1039



Handwritten notes in the right margin.

सपथ पत्र संख्या 93 दि. 28/1/05  
नाम - मोकीर - अवेहा

श्रीमती स्मरस्वती देवी धर्मपति श्री  
नेमधारी यादव जाति ज्वाला (भारतीय)  
चेहा गृहस्थी, स्त्रा. भौजा - फरजा, पोह -  
तुखबुल, प्र. कैन्डी, थाना चौ जिला -  
चतरा।

सपथ पत्र संख्या 93 दि. 28/1/05  
नाम - मोकीर - अवेहा

श्रीमती स्मरस्वती देवी धर्मपति श्री  
नेमधारी यादव जाति ज्वाला (भारतीय)  
चेहा गृहस्थी, स्त्रा. भौजा - फरजा, पोह -  
तुखबुल, प्र. कैन्डी, थाना चौ जिला -  
चतरा।

कि श्रीमती स्मरस्वती देवी धर्मपति श्री नेमधारी यादव जाति ज्वाला (भारतीय) चेहा गृहस्थी, स्त्रा. भौजा - फरजा, पोह - तुखबुल, प्र. कैन्डी, थाना चौ जिला - चतरा।

फिलोसोफ - वसिका

ज्वाला - बैरा - ज्वाला (Sale deed)



परचय (गुण्य)

श्री०-१,०००००/- एक लाख रूपये  
प्राप्त नकद।

उपरोक्त जायदाद हीय मोर्चा

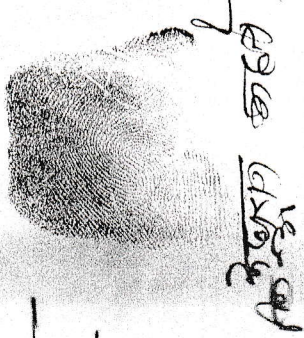
प्रवाही. ०२ १/२ डि० (पांचपुर्णांक एक  
बरा दो डिग्रिय) ज्योन "आवायेय"  
हकिमत रेयती कारपो. खरोकते  
बकि मोर्चा नगरा, प्र० अहुरी. थाना  
न०-१२२. थाना वेजिया राजि०.  
वेजिया. थतरा अन्धर नगर.  
घालिका. थतरा. बार्ड न०-११, के  
तोळी न०-२२ एक न० हाल-१ के.  
अन्धर नगरा न०-११४ (एक सौ-  
चौदह) कोट न०-२६२ (पांच सौ-  
अठहत्तर) एकवा. ३२ डि० (अडतीस-  
डिस०) प्रथे एकवा. ०२ १/२ डि० (पांच-  
पुर्णांक एक बरा दो डिग्रिय) वर्तमान.  
योर्हदी. उत्तर :- आज खरोकते क्षीप्रती  
शान्ति देवी प्रति श्री बाबुदेव शाक्य दक्षिण :-  
दिल्लेदार नदी० कैशिया देवी प्रति नून

1000 Rupees  
Date: 20/11/20  
20/11/20





दर्ज है, नाम दयाल गोप के एक नाम  
 सन्तान गुला गोप से, तथा गुला गोप  
 के इन्तकाल ही अपने घर के चार  
 पुत्र ① गेधराज गहते ② शानकी गहते  
 ③ बन्ना गहते वीरदुखेन गहते उक्त  
 स्त्री आर्यापट्ट कायप्र काविय वी  
 दल्लकाटदुय वी बपरिय केपाला नं.  
 ३१६ तां ३०-१-१६६८ को पुर खाता का  
 २६१-६ डि वी खाता २६ का. ४३ डिस्  
 अत्र २६६२ डि अश्रीन युगल किशोर  
 आधरवाल के साथ बिक्री किये थे।  
 फिर युगल किशोर आधरवाल से  
 बपरिय केपाला बिक्रय पत्र नं ३२६/६६  
 बुक १ प्रॉ. ६ पेज ३६ ता ३८ तारीख  
 २४-१-१६६६ को जन-शेकोरने अपने  
 नाम से खरीद किया है कि जन शेकोर  
 ने शवाजी ०४ डि अश्रीन केपाला नं २३६२  
 तां ६-११-६२ के द्वारा श्रीमती कल्यावती  
 देवी के नाम से नं ०४ १/२ डि केपाला नं-  
 ६३४ तां २६.२-६६ के द्वारा श्री वकील  
 सहा के नाम से बिक्री किया था जिसे  
 दोबो से पुनः केपाला नं ४४०६ तारीख -  
 २२-६-२००२ के द्वारा वापस खरीद लिया



कि सेना/२ गरी का. किय कि  
 बुक २-१-१६६६ का. १० से २०  
 का. २३ डि अश्रीन  
 २०/१६२

३१६  
 ४३३

३१



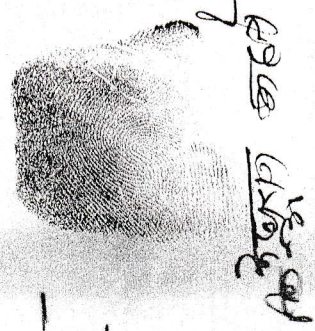
कि डिप्टी क्लर्क आर.दादरका दाखिल खाते में  
 वकील साहू को कलावती देवी ने  
 नहीं कराया औरना हो काबिल दाखिल  
 रैदा कि एकीकरी तातेख से जन-श्रीकौर  
 डिप्टी क्लर्क आर.दादरका शांति पूर्वक एका  
 विधिपाद कायल को काबिल दाखिलकार  
 चलते हैं कि है एका सरकारी  
 शांतिपूर्वक एकाद भारत सरकार  
 (तत्कालीन बिहार सरकार) अंचल यतरा  
 से दा. एका. केश नं. ४२०/१२-१६ दि.  
 १०-६-१६ के द्वारा एकीकृत होकर पंजी. II  
 के पृष्ठ सं ३०३ में दर्ज होकर जन-  
 श्रीकौर के नाम से निर्गत होना आ  
 रहा है को है।

यह कि जन-श्रीकौर को  
 अलग रूपया वास्तु कर्त कार्य  
 यन्दा आर.दादर को अदालत के असाद है,  
 इस्तीफा जन-श्रीकौर डिप्टी क्लर्क आर.दादर  
 को अकुश रखा को शांति अहायत  
 सेहत प्राप्त को सुखत अकल के  
 बजपल किगत अकल प्री. १,००,०००/-  
 एक लाख रूपया तक अरक्षण

1998/10/18  
 20/11/86  
 10/10/86  
 1/8/2000/177



दर्ज है, राज दर्याल गीप के बरक-भान  
 सन्तान मुला गीप थे, तथा मुला गीप  
 के इन्तकाल ही अर्धे पत्र (३) के चार  
 पुत्र ① गेधराज गहेते ② शानको गहेते  
 ③ बजा गहेते ④ मुदुरेवन गहेते उक्त  
 सत्री अर्धे पत्र कायस काविज का  
 दल्लकार हुए वो अर्धे पत्र के बाला नं.  
 ३१६ तां ३०-१-१६६८ को पुरे खता का  
 २६१-६ डि वो खता २६ का. ४३ डि  
 अर्धे २६६२ डि अर्धे युगल किशोर  
 आधे पत्र के साथ बिक्री किये थे।  
 फिर युगल किशोर आधे पत्र से  
 अर्धे के बाला बिक्री पत्र नं ३२६/६६  
 बुक १ ग्रीं ६ पेज ३६ ता ३८ तारीख  
 २४-१-१६६६ को जन-गोदोर ने अर्धे  
 भाग से खरीद किया है कि जन गोदोर  
 ने नवाजी ०४ डि अर्धे के बाला नं २३६२  
 तां ६-११-६२ के द्वारा श्रीमती कल्यावती  
 देवी के भाग से नं ०४ १/२ डि के बाला नं  
 ६३४ तां २६.२-६६ के द्वारा श्री चकोल  
 सहा के भाग से बिक्री किया था जिसे  
 दोनों से पुनः के बाला नं ४४०६ तारीख -  
 २२-६-२००२ के द्वारा वापस खरीद लिया



कि सेवारा गहेते का. कायस कि  
 कि विनाय कि १० से अर्धे  
 कां अ कि अर्धे पत्र २-११/६२  
 बुक २०२ २५५ ३१६  
 ११-११-२००२  
 ए. गीप ए. गीप  
 २-११/६२

अर्धे पत्र का  
 अर्धे पत्र



कि डिप्टी क्लर्क आरदाद का दायित्व खाते में  
 वकील साहू को कलानती देवी ने  
 नहीं कराया औरना हो काबिल दायित्व  
 रीट कि रकीरणी तारोख से अन-श्रीकौर  
 डिप्टी क्लर्क आरदाद पर शांति पूर्वक लक्ष्य  
 निर्दिष्ट कार्य को काबिल दायित्व कार  
 चले आते हैं वे हैं जिसका सरकारी  
 शासनगुणोत्तरी रसोद आरदाद सरकार  
 (तत्कालीन बिहार सरकार) अंचल चतरा  
 से दाण खां केश नं. ४२०/६२-६६ दि.  
 १०-६-६६ के द्वारा स्वीकृत होकर पंजीय  
 के पूरा सं ३०३ के द्वारा होकर अन-  
 श्रीकौर के नाम से निर्गत होना आ  
 रहा है वो है।

यह कि अन-श्रीकौर को  
 अहत रूपया वास्तु करने कार्य  
 चन्द आराज को अहरी के असद है,  
 इसलिए अन-श्रीकौर डिप्टी क्लर्क आरदाद  
 को अकुश रखा को शांति अहात्त  
 सेहत जात को सुखात अकल के  
 अजपल किगत अकल प्री. १,००,०००।  
 एक लाख रूपये नकद अरदाद

डिप्टी क्लर्क आरदाद का दायित्व  
 वकील साहू को कलानती देवी ने  
 नहीं कराया औरना हो काबिल दायित्व  
 रीट कि रकीरणी तारोख से अन-श्रीकौर  
 डिप्टी क्लर्क आरदाद पर शांति पूर्वक लक्ष्य  
 निर्दिष्ट कार्य को काबिल दायित्व कार  
 चले आते हैं वे हैं जिसका सरकारी  
 शासनगुणोत्तरी रसोद आरदाद सरकार  
 (तत्कालीन बिहार सरकार) अंचल चतरा  
 से दाण खां केश नं. ४२०/६२-६६ दि.  
 १०-६-६६ के द्वारा स्वीकृत होकर पंजीय  
 के पूरा सं ३०३ के द्वारा होकर अन-  
 श्रीकौर के नाम से निर्गत होना आ  
 रहा है वो है।

१०/११/६६  
 १०/११/६६  
 १०/११/६६

पाकर स्थाय अग्निए कुल एक हनुक  
 के बनाये जो एक मोकोट इतना हा  
 सार के बिना जो केवाला बैय - धा -  
 कल्याणी हाजा तबतेर जे तजिल मिया  
 जो तजिल झरोखा ज्ये बज्याए भापने  
 प्रायेक हुटत किय गलेना जापुतापुता  
 दलल कल्या दे रिधा हाक सान -  
 मोकोट जो बालिन कायेना मोपानीघल  
 सन - मोकोट का उक्त प्याएवाप से कोई  
 पाहता ह्योपाए एक हावा टापरकण्य  
 नही रहा जे ना होगा जाना कौले  
 जो उपरोक्त प्याएवाप से कोई जाकेन  
 मुफ्त जल्लत या प्राधिकारदि का  
 बिवाद नही है कथा। हाजर दिवस्यफ  
 इसके पयय प्याय ना कुल ह्योएधिया  
 मय अल्लान के पुटी दियती अबाव  
 दे ही पायवेदी सन - मोकोट हवाइ  
 बालिन मोकोट का है जे होगा न  
 देना कौले जे अल्लान तनाम न  
 फनाल मफुद सन - मोकोट मोकोट हा  
 सार से बहुल लेकफपा युके है।  
 एत मोहा बकी नही रहा है।

इहलिपे केवाला बैय - धा -  
 कल्याणी हाजा किय रिधा कि वक्त

मोकोट का  
 मोकोट का

20/11/16  
 मोकोट का  
 मोकोट का  
 मोकोट का  
 मोकोट का  
 मोकोट का